हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 192 देहरादून, बृहस्पतिवार, 19 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

राजस्व पुलिस के गाँवों में अब पेट्रोलिंग करेगी रेगुलर पुलिस : श्वेता चौबे

3

सीएम धामी ने 'मानसखण्ड' की झांकी का निरीक्षण किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली, 18 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रंगशाला, पर गणतंत्र दिवस-2023 परेड के लिये उत्तराखण्ड राज्य की चयनित "मानसखण्ड" की झांकी का निरीक्षण किया तथा झांकी में सम्मिलित उत्तराखण्ड के कलाकारों को कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित की जाने वाली उत्तराखण्ड की कला एवं संस्कृति के लिए अग्रिम शुभकानाएं दी । मुख्यमंत्री ने झांकी के संबंध निर्देश दिये कि झांकी का निर्माण उच्चकोटि का किया जाय,जिसमें उत्तराखण्ड राज्य की कला एवं संस्कृति की झलक गणतंत्र दिवस पेरड में देखने का मिले । गणतंत्रदिवस परेड में इस वर्ष उत्तराखण्ड की झांकी में मानसखण्ड के अंतर्गत जागेश्वर धाम,कार्बेट नेशनल पार्क तथा उत्तराखण्ड की प्रसिद्व ऐपण आर्ट को दिखाया जा रहा है ।

मानसखण्ड का उल्लेख स्कन्द पुराण में

वर्तमान कुमाँऊ क्षेत्र से है। राज्य सरकार गढवाल मण्डल में होने वाली चारधाम यात्रा की भांति मानसखण्ड मंदिर मालामिशन के रूप में कुमाऊँ क्षेत्र के पौराणिक मंदिरों का चिन्हिकरण करते हुए इनमें आवश्यकतानुसार अवस्थापना सुविधाएं विकसित कर रही है। इससे देशी विदेशी पर्यटको को क्षेत्र की समृद्ध पौराणिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित भी कराया जा सकेगा,जिससे राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

इस अवसर पर स्थानिक आयुक्त ,अजय मिश्रा, उत्तराखण्ड झांकी के टीम लीडर/संयुक्त निदेशक के0 एस0 चैहान, विशेष कार्याधिकारी, राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, रवि पाण्डे, गुजरात झांकी की टीम लीडर पंकज मोदी उपस्थित थे ।

जोशीमठ में पानी का डिस्चार्ज घटकर 100 एल.पी.एम हुआ : डा0 रंजीत कुमार सिन्हा

जोशीमठ में कार्यरत तकनीकी संस्थान अपनी अध्ययन रिपोर्टें एक दूसरे से सांझा करें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 जनवरी। सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने जोशीमठ नगर क्षेत्र में हो रहे भू-धंसाव एवं भूस्खलन के उपरान्त राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे राहत एवं बचाव, स्थायी/अस्थायी पुनर्वास आदि से सम्बन्धित किये जा रहे कार्यो की मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जोशीमठ में प्रारम्भ में निकलने वाले पानी का डिस्चार्ज जो कि 6 जनवरी 2023 को 540 एल.पी.एम. था, वर्तमान में घटकर 100 एल.पी.एम. हो गया है। यह एक राहत की खबर है। सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि मुख्य सचिव उत्तराखण्ड ने जोशीमठ में कार्यरत विभिन्न तकनीकी संस्थानों के निदेशकों तथा वैज्ञानिकों से आग्रह किया है कि प्रभावित क्षेत्र का तत्काल अध्ययन करते हुए अध्ययन रिपोर्ट जल्द से जल्द उपलब्ध करायी जाय।

तकनीकी संस्थानों की रिपोर्टो में स्पष्टता के साथ समाधान पर भी चर्चा हो

जोशीमठ में भू-धसांव का अध्ययन समयबद्ध तरीके से हो। विभिन्न तकनीकी संस्थान अपनी अध्ययन रिपोर्टें एक दूसरे से सांझा भी करें। अध्ययन रिपोर्टो में स्पष्टता के साथ ही समाधान की भी चर्चा की जाय।

सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि अस्थायी रूप से चिन्हित राहत शिविरों में जोशीमठ में कुल 615 कक्ष हैं जिनकी क्षमता 2190 लोगों की है तथा पीपलकोटी में 491 कक्ष हैं जिनकी क्षमता 2205 लोगों की है। अभी तक 849 भवनों में दरारें दृष्टिगत हुई है। सर्वेक्षण का कार्य गतिमान है। उन्होनें जानकारी दी कि गांधीनगर में 01, सिंहधार में 02, मनोहरबाग में 05, सुनील में 07 क्षेत्र / वार्ड असुरक्षित घोषित किए गए हैं। 181 भवन असुरक्षित क्षेत्र में स्थित है। 258 परिवार सुरक्षा के दृष्टिगत अस्थायी रूप से विस्थापित किये गये हैं। विस्थापित परिवार के सदस्यों की संख्या 865 है।

प्रेस वार्ता में अपर सचिव आपदा प्रबन्धन, निदेशक उत्तराखण्ड भूस्खलन प्रबन्धन एवं न्यूनीकरण संस्थान, निदेशक वाडिया संस्थान, निदेशक आईआईआरएस देहरादून, निदेशक एनआईएच तथा निदेशक आईआईटीआर उपस्थित थे।

दून पुलिस का क्रिमिनल्स पर कसता शिकंजा, भूमाफिया, नशा तस्कर पर हुई तेज़ कार्यवाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 जनवरी। पुलिस उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में जुलाई-2022 से अक्टूबर-2022 तक कुल 8 अभियोग पंजीकृत किये गये थे, जिनमें 45 (लूट/चोरी की घटनाओं में सम्मिलित 12 अभियुक्तों, नशा तस्करी में संलिप्त 02 अभियुक्तों, धोखाधडी के मामलों में 29 अभियुक्तों व अन्य मामलों में 02 अभियुक्तों) अभियुक्तों तथा माह नवम्बर 2022 से अब तक कुल 13 अभियोग पंजीकृत किये गये जिसमें 78 (नशा तस्करी में संलिप्त 11 अभियुक्तों, धोखाधडी के मामलों में 56 अभियुक्तों तथा लूट के मामलों में 11 अभियुक्तों) अभियुक्तों के विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट में कार्यवाही की गयी है।

इस प्रकार जनपद देहरादून में माह जुलाई 2022 से अब तक कुल 21 अभियोग पंजीकृत कर 123 अभियुक्तों के विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी। जिसमें धोखाधडी के मामलों में अभियुक्त प्रदीप कुमार गर्ग, अनिल कुमार गर्ग व उनके सहयोगियों, दीपक मित्तल, राजपाल वालिया, मौ0 साजिद, संजीव मलिक, राकेश त्यागी व उनके सहयोगियों, चोरी व लूट की घटनाओं में फौजीनाथ उर्फ चिमटी व उसके सहयोगियों, परीक्षा घोटाले में सैयद सादिक मूसा, हाकम सिंह व उनके सहयोगियों तथा डकैती के मामलों में महबूब, मुनव्वर, शमीम व उनके सहयोगियों सहित कुल

123 लोगों के विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट में कार्यवाही की गयी। उक्त की सम्पत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही की जा रही है। अब तक मौ0 साजिद पुत्र हारून, अतीक अहमद पुत्र स्व0 मोबिन की सम्पत्ति जब्तीकरण हेतु जिलाधिकारी देहरादून महोदय को रिपोर्ट प्रेषित की गयी है।

इसके अतिरिक्त 24 आदतन अपराधियों 01: थाना रायपुर क्षेत्र से पप्पू, 02 थाना क्लेमेन्टाउन क्षेत्र से अशरफ, ओमवीर सिंह तोमर, प्रमोद उर्फ भोलू, जानकी प्रसाद, शशांक, 03: थाना विकासनगर क्षेत्र से नीरज, सुनील, शाहिद, शिवम, अब्दुल, सुरेन्द्र, मेहरबान 04: थाना नेहरू कालोनी क्षेत्र से प्रमोद त्यागी, तैयब अली, विकास सुन्दरियाल, 05: थाना पटेलनगर क्षेत्र से हारून, राशिद उर्फ तौफीक, 06: थाना राजपुर क्षेत्र से दिल बहादुर 07: थाना डालनवाला क्षेत्र से शुभम, 08: थाना सहसपुर क्षेत्र से फैजान, सलमान, 09: थाना कैण्ट क्षेत्र से राजकुमार को गुडां एक्ट के तहत जिलाबदर किया गया है। असामाजिक/गुडां तत्वों के विरूद्ध दून पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी है।

1 फरवरी से YouTube शॉर्ट क्रिएटर्स को बम्पर फायदा देगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म YouTube जल्द अपने Shorts Creators को पैसे कमाने का मौका देने वाला है. इससे शॉर्ट क्रिएटर्स को बहुत फायदा मिलेगा. आपको बता दें कि यूट्यूब शॉर्ट वीडियो के लिए Monetisation प्रोसेस शुरू करने वाला है. रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी 1 फरवरी से ही मोनेटाइजेशन प्रोसेस की शुरुआत कर देगी. ऐसे में यूट्यूब Partner Program के लिए टर्म प्लान को इस हफ्ते से शुरू किया जा सकता है.शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म TikTok को टक्कर देने के लिए शॉर्ट वीडियो पर मोनेटाइजेशन का प्रोसेस शुरू कर रहा है. ऐसे में अब यूट्यूब शॉर्ट्स पर भी Advertisement लगाए जा सकेंगे और शॉर्ट वीडियो के जरिए क्रिएटर्स भी पैसा कमा पाएंगे.

यूट्यूब शॉर्ट्स मोनेटाइज प्रोसेस

जैसा कि ऊपर बताया कि यूट्यूब शॉर्ट्स मोनेटाइज प्रोसेस 1 फरवरी 2023 से शुरू किया जा रहा है. इसके प्रोसेस के शुरू होने के बाद यूजर्स को शार्ट ऐड रेवेन्यू के टर्म और कंडीशन का फॉर्म भरना होगा. सभी यूट्यूब पार्टनर को नए पार्टनर प्रोग्राम के टर्मस और कंडीशन को एक्सेप्ट करना होगा. अगर आपने इस फॉर्म को नही भरा तो आप यूट्यूब शॉर्ट्स से पैसा नही कमा पाएंगे. पार्टनर प्रोग्राम से पैसे कमाने वाले सभी क्रिएटर्स के लिए नए टर्मस और कंडीशन को एक्सेप्ट करना जरूरी है. मोनेटाइजेशन प्रोसेस कंटिन्यू रखने के लिए यूजर्स को 10 जुलाई तक फॉर्म को भरना होगा.

ऐसे करें यूट्यूब शॉर्ट्स से कमाई

यूट्यूब नए शॉर्ट वीडियो के लिए मोनेटाइजेशन के प्रोसेस को यूट्यूब वीडियो की तरह ही करने वाला है. कंपनी ने कहा कि शॉर्ट वीडियो से कमाई का प्रोसेस बिल्कुल यूट्यूब वीडियो के समान ही रहेगा. इससे कमाई का प्रोसेस 3 चीजों से तय किया जाएगा. इसमें सब्सक्राइबर्स की संख्या, वीडियो का वॉच टाइम और ब्रांड प्रमोशन शामिल होंगे. इन तीन तरीके से यूट्यूब शॉर्ट्स में कमाई की जा सकती है.

एलिजिबिलिटी और शेयरिंग परसेंटेज

यूट्यूबर्स के शॉर्ट्स से कमाई करने के लिए कंपनी ने एलिजिबिलिटी और शेयरिंग परसेंटेज भी सेट की है.शॉर्ट वीडियो के मोनेटाइजेशन के लिए यूट्यूबर्स के कम से कम 1,000 सब्सक्राइबर्स होने चाहिए.साल भर में 4,000 घंटे का वॉच टाइम भी पूरा करना होगा.जिन यूट्यूबर्स के पिछले 3 महीने में 10 मिलियन या इससे ज्यादा व्यूज हैं, वो भी मोनेटाइजेशन के लिए एलिजिबल होंगे और इसके लिए रिक्वेस्ट भी शेयर कर सकते हैं.यूट्यूब के एड शेयरिंग प्रोसेस के तहत रेवेन्यू का 45 फीसदी क्रिएटर्स और 55 फीसदी हिस्सा यूट्यूब को जाएगा.यूट्यूब अपने शेयर से रेवेन्यू का 10 फीसदी हिस्सा शॉर्ट वीडियो में यूज होने वाले म्यूजिक क्रिएटर्स को देगा.

आपके बैंक खाते की रकम को सुरक्षित करेगा सेंसरयुक्त स्मार्ट पर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , आइआइटी कानपुर के इन्क्यूबेटर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीक पर आधारित सेंसरयुक्त स्मार्ट पर्स बनाया है, जो बैंक खाते की रकम को सुरक्षित करेगा। पर्स में रखे डेबिट, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल मोबाइल पर एप्लीकेशन द्वारा बैंक से सत्यापन के बाद होगा। सॉफ्टवेयर बैंक से लिंक होने पर पर्स चोरी भी हो जाता है तो उसमें रखे बैंकों के कार्ड खुद निष्क्रिय हो जाएंगे। चोर पर्स खोलेगा तो एप पर उसकी लोकेशन भी पता लग जाएगी। इन्क्यूबेटर द्वारा इसके लिए निजी और राष्ट्रीयकृत बैंकों से संपर्क किया जा रहा है।इन्क्यूबेटर दीपक चूडाप्पनवर ने बेंगलुरु में स्टार्टअप इन्फिनिक्यू सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड शुरू किया है। उन्होंने आईआईटी के विशेषज्ञों की मदद से स्मार्ट चिप आधारित पर्स, साफ्टवेयर और एप तैयार किया है। इसका नाम सेल्वस सिक्योर रखा है। पर्स खोलने या बंद करने पर एप्लीकेशन और सॉफ्टवेयर में पूरा रिकार्ड, लोकेशन, समय आदि दिखेगा।सॉफ्टवेयर के बैंक से कनेक्ट होने से उसके डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर्स में रखने पर सुरक्षित हो जाएंगे। दीपक ने बताया कि तकनीक का प्रदर्शन देख कुछ बैंकों ने दिलचस्पी दिखाई है। इसी प्रकार की प्रणाली को नेट बैंकिंग में यूजरनेम, पासवर्ड व क्यूआर कोड से भुगतान के लिए और आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड आदि के लिए भी तैयार किया जा रहा है।

तकनीक के होंगे तीन भाग, सर्वर, पर्स व एप

दीपक ने बताया कि इस तकनीक के तीन भाग पर्स, एप व सर्वर हैं। सर्वर से फोन का एप्लीकेशन जुड़ा है और एप्लीकेशन पर्स की चिप से कनेक्ट होगा। स्टार्टअप कंपनी अपने सर्वर को जब बैंक के सर्वर से लिंक करेगी, तब ग्राहक का सत्यापन होगा। ग्राहक को एप अपने मोबाइल में डाउनलोड करना पड़ेगा। इस पर्स की अनुमानित कीमत तीन हजार रुपये होगी।

एप करेगा अलर्ट, पर्स से निकाला गया कार्ड

ग्राहक जब स्मार्ट पर्स खोलकर कार्ड निकालेगा तो मोबाइल एप के साथ ही बैंक के सर्वर पर भी अलर्ट आता है और 180 सेकेंड के बाद कार्ड को लेन-देन के लिए निष्क्रिय कर देता है। जब ग्राहक कार्ड वापस रखता है तो पर्स वापस से सूचना देता है कि कार्ड प्राप्त हो गया है और सुरक्षित है। कार्ड खोने या क्लोन होने पर काम नहीं करेगा। मोबाइल से 10 मीटर दूर होने पर संपर्क टूट जाएगा और 180 सेकेंड बाद सभी कार्ड स्वतः निष्क्रिय हो जाएंगे।

साइबर फ्रॉड से होगा बचाव

आइआइटी के स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के प्रभारी प्रो. अंकुश शर्मा के मुताबिक इस तकनीक से साइबर फ्रॉड व बैंक डेटा के गलत इस्तेमाल की घटनाओं से बचाव होगा। तकनीक से ग्राहक अपने बैंक कार्ड संबंधी डाटा को खुद नियंत्रित कर सकेंगे। डाटा चोरी भी हो जाए, तो उसकी उपयोगिता नहीं होगी और डाटा के सही मालिक को लगातार सूचना मिलती रहेगी। इससे बैंक भी पेमेंट फ्रॉड को रोक सकेंगे।

तैयार हो जाइये : अब बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी हुई जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , दिल्ली-एनसीआर से लेकर यूपी-बिहार तक कड़ाके की ठंड पड़ रही है. घना कोहरा और भीषण ठंड के बीच मौसम विभाग ने अब बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है. आईएमडी यानी भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, दिल्ली सहित उत्तर पश्चिमी भारत में अगले सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ ओलावृष्टि होने का अनुमान है. आईएमडी ने कहा कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ 21 जनवरी से 25 जनवरी तक उत्तर पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है. इसके साथ ही एक बार फिर से उत्तर भारत में ठंड बढ़ जाएगी.

मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अब भी मैदानी इलाकों में दिख रहा है. हालांकि, लोगों को जल्द ही शीतलहर से राहत मिलने वाली है. मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में शीतलहर की स्थिति 19 जनवरी से समाप्त होने की संभावना है. मौसम विभाग ने बताया कि आज और कल यानी 18 और 19 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में बर्फबारी और बारिश हो सकती है. इसके अलावा एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिल्ली से लेकर पूरे उत्तर भारत में 21 जनवरी से 25 जनवरी के बीच बारिश हो सकती है.

ओलावृष्टि का भी है पूर्वानुमान

मौसम विभाग ने अपने एक बयान में कहा, 'इसके प्रभाव से, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 21 जनवरी के शुरुआती घंटों में बारिश या हिमपात शुरू होने और 23-24 जनवरी को चरम गतिविधि के साथ 25 जनवरी तक इसके जारी रहने की संभावना है.' मौसम विभाग ने कहा कि 23 और 24 जनवरी को जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम ओलावृष्टि होने की संभावना है.

पंजाब से लेकर यूपी में कब बारिश

इसने बताया कि 23-24 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है. इतना ही नहीं, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 22 जनवरी से 25 जनवरी के बीच में बारिश भी होगी. वहीं, यूपी में 24 और 25 जनवरी तो राजस्थान में 23 और 24 जनवरी को बारिश होगी. दिल्ली में इस सर्दी के मौसम में अब तक कोई बारिश दर्ज नहीं की गई है. मौसम विभाग का कहना है कि नवंबर और दिसंबर में मजबूत पश्चिमी विक्षोभ बारिश न होने का कारण था.

राजस्व पुलिस के गाँवों में अब पेट्रोलिंग करेगी रेगुलर पुलिस : श्वेता चौबे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी एसएसपी श्वेता चौबे ने कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उनका समाधान कर सम्बन्धितों को निर्देशित कर समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थानों में नियुक्त अधीनस्थ कर्मचारियों की प्रत्येक माह मीटिंग लेकर उनके कार्यों की समीक्षा करने तथा उनकी व्यक्तिगत /पारिवारिक समस्याओं को सुनते हुए उनका त्वरित समाधान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही पुलिस कार्मिकों को जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा बीट आरक्षी को बीट पुलिसिंग में सुधार करने, बीट रजिस्टर बनाने, बीट क्षेत्र की सम्पूर्ण जानकारी के साथ-साथ आमजन के साथ बेहतर समन्वय बनाये रखने हेतु निर्देशित किया ।

देर तक चली कप्तान की मासिक अपराध गोष्ठीः-

एसएसपी ने 1 वर्ष एवं माह दिसम्बर-2022 में अधीनस्थ क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान जनपद के अधीनस्थ क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निम्न निर्देश दिए - वर्तमान में पुलिस मुख्यालय स्तर पर ईनामी/वांछित अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी एवं अभियुक्त गणों द्वारा अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति की जब्तीकरण सम्बन्धी अभियान प्रचलित है। उक्त अभियान के क्रम में विगत माह तक 07 ईनाम घोषित अपराधियों एवं विभिन्न अभियोगों में वांछित 20 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। शेष अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही मादक पदार्थों में गिरोह बनाकर तस्करी करने वाले अपराधियों के विरूद्ध गैगस्टर एक्ट की कार्यवाही कर उनकी सम्पत्ति कुर्क करने एवं आद्यतन अपराधियों के विरूद्ध गुण्डा एक्ट की कार्यवाही कर उनको जिला बदर करने हेतु निर्देशित किया गया।

"ड्रग्स फ्री देवभूमि" मिशन-2025 के तहत नशे से बचने हेतु लगातार चैकिंग अभियान चलाकर मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुये विगत 02 माह में जनपद में NDPS Act के तहत अब तक कुल 18 अभियोग जिनमें (कोतवाली श्रीनगर-05, कोतवाली कोटद्वार-07, थाना थलीसैण-04 एवं थाना धुमाकोट पर-02) पंजीकृत किये गये जिनमें 2 किलो 570 ग्राम अवैध चरस, 54.63 ग्राम अवैध स्मैक एवं 25 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। इसी प्रकार आबकारी अधिनियम के तहत अब तक कुल 17 अभियोग जिनमें (कोतवाली कोटद्वार-07, कोतवाली श्रीनगर-03, कोतवाली पौड़ी-02, थाना थलीसैण-01, थाना लक्ष्णझूला-02 थाना सतपुली-01 एवं थाना रिखणीखाल-01) पंजीकृत किये गये। जिनमें 393 बोतल अवैध अंग्रेजी शराव एवं 34 केन अवैध बीयर बरामद किया गया। समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अवैध मादक पदार्थो व अवैध शराब/कच्ची शराब/ नकली शराब, बनाने/बेचने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु कड़े निर्देश दिया गये।

जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को यातायात नियमों का पालन न करने एवं नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर उनके अभिभावकों एवं वाहन स्वामियों विरूद्ध अभियान चलाकर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही किये जाने निर्देशित किया गया। थानों में विगत 06 माह से अधिक लम्बित विवेचनाओं के सफल निस्तारण एवं 01 माह से अधिक समय से लम्बित चल रहे शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण करने तथा अहकमात न्यायाल का समय पर निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद पौड़ी में यमकेश्वर थाने का सृजन किया जा चुका है। क्षेत्राधिकारी श्रीनगर को नवसृजित थाना यमकेश्वर के भवन एवं थानाध्यक्ष थलीसैण को बीरोखाल के नवसृजित चौकी का भौतिक निरीक्षण करते हुये थाने एवं चौकी को हल्का एवं बीट क्षेत्र में विभाजित कर आंकलन करते हुये आख्या प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिससे कि अपराध नियंत्रण हेतु प्रभावी गश्त एवं पिकेट व्यवस्था लागू की जा सके एवं भयमुक्त समाज प्रदान किया जा सके। समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत राजस्व पुलिस से रेगुलर पुलिस में आने वाले ग्रामों का स्वयं भ्रमण कर ग्राम प्रधानों एवं जनप्रतिनिधियों का नम्बर लेकर उन्हें अधिकरियों के सरकारी नम्बर, डीसीआर का नम्बर एवं आपतकालीन नम्बर डायल-112 साझा करने निर्देशित किया गया। आगामी गणतन्त्र दिवस के अवसर पर समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने सर्किल व थाना क्षेत्रान्तर्गत सघन चैकिंग करने, संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन करने, जनपद में आवागमन करने वाले वाहनों/व्यक्तियों की लगातार चैकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया।

कुछ ऐसा होगा योगी राज में वृन्दावन कॉरिडोर का स्वरुप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह ही वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर का कॉरिडोर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। पाँच एकड़ में यह कॉरिडोर फैला होगा। इसमें श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएँ मुहैया कराई जाएँगी। मीडिया रिपोर्टों में इस कॉरिडोर का जो प्लान बताया गया है उसके मुताबिक यह दो मंजिला होगा। कॉरिडोर में प्रवेश के तीन रास्ते होंगे। पहला रास्ता जुगलघाट से सीधा मंदिर तक जाएगा। दूसरा रास्ता विद्यापीठ चौराहे से आएगा। वहीं, तीसरा रास्ता जादौन पार्किंग से होगा। इसे VIP मार्ग कहा जाता है। इन रास्तों की चौड़ाई करीब 20 से 25 मीटर तक होगी। कॉरिडोर बनने के बाद पाँच हजार श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर सकेंगे। अभी केवल 800 श्रद्धालु ही एक साथ दर्शन कर पाते हैं। कॉरिडोर के माध्यम से मंदिर और यमुना नदी को जोड़ दिया जाएगा। इससे श्रद्धालु यमुना नदी में डुबकी लगाने के बाद कॉरिडोर के जरिए सीधा मंदिर पहुँचकर बांके बिहारी के दर्शन कर सकेंगे।

कॉरिडोर की खासियत

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर में श्रद्धालुओं के लिए सामान रखने की जगह, जूता घर, शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था होगी। चिकित्सा और बच्चों की देखभाल समेत कई सुविधाएँ मुहैया कराई जाएँगी। इस कॉरिडोर का ऊपरी हिस्सा 11 हजार 600 वर्ग मीटर का होगा और निचला हिस्सा 11 हजार 300 वर्ग मीटर का। कॉरिडोर में श्रद्धालु बांके बिहारी मंदिर के दर्शन के साथ चार और प्राचीन मंदिरों के दर्शन भी कर सकेंगे। इसमें दो प्राचीन मंदिर मदन मोहन मंदिर और राधा वल्लभ मंदिर हैं। कहा जा रहा है कि कॉरिडोर को बनाने के दौरान इसके रास्ते में आने वाले 321 भवन और संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके लिए प्रभावितों को 200 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

इस कॉरिडोर से मंदिर का मूल स्वरूप खत्म होने का दावा भी कुछ लोग कर रहे हैं। लेकिन मथुरा से बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने इसे खारिज किया है। उन्होंने कहा है, "जो भी बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को लेकर ऐसा कह रहे हैं, ये उनका व्यक्तिगत विचार है। हम भी यही चाहते हैं कि वृंदावन का प्राचीनकाल का स्वरूप वैसा का वैसा ही रहे। यह हमारी जिम्मेदारी है।" साथ ही उन्होंने कहा कि कॉरिडोर का निर्माण वृंदावन की सबसे बड़ी जरूरत है। इस कॉरिडोर के निर्माण से पर्यटन व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इससे किसी को कोई तकलीफ नहीं होगी। सबको समान जगह मिलेगी। व्यापारियों को भी सुविधा होगी। यहाँ आने-जाने वाले लोगों और दर्शन करने वालों को बहुत ही सेफ जगह मिलेगी।

31 जनवरी से पहले कर लें आईटीआर ई-वेरीफाई, वर्ना नोटिस आ जायेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , अगर आपने अभी तक आईटीआर वेरीफाई नहीं किया है तो आप जल्दी से 31 जनवरी से पहले आईटीआर डिटेल्स को वेरीफाई कर लीजिए. अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपके पास आयकर विभाग का नोटिस आ सकता है. क्योंकि वित्त मंत्रालय फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के लिए करदाताओं को आइटीआर फाइल करने, अपडेट करने और रिवाइज करने के दो मौके दे चुका है. अब आइटीआर को वेरीफाई करने की लास्ट डेट भी अनाउंस कर रखी है. ऐसे में जिन करदाताओं ने आईटीआर फाइल किया है उन्हें अपनी जानकारी की पुष्टि के लिए ई-वेरीफिकेशन करना होगा. इसके लिए करदाताओं के पास 15 से भी कम दिनों का समय बचा है..

वित्त मंत्रालय के अनुसार जो नागरिक 5 लाख रुपए से अधिक की सालाना कमाई करते हैं उन्हें आईटीआर फाइल करना अनिवार्य होता है. आइटीआर फाइल करने की लास्ट डेट लेटफाइन के साथ 31 दिसंबर 2022 थी. अब आइटीआर को वेरीफाई करने की लास्ट डेट 30 जनवरी 2023 है. अगर इस समय सीमा के भीतर वेरीफिकेशन नहीं हुआ तो आईटीआर फाइलिंग को अमान्य माना जाएगा. इसलिए करदाता आईटीआर में दी गई सभी जानकारियों की पुष्टि करते हुए ई-वेरीफाई जरूर कर लें. ऐसा नहीं होने पर करदाताओं को आयकर के नोटिस, लीगल एक्शन या जुर्माने का सामना भी करना पड़ सकता है.

ये आईटीआर वेरीफिकेशन का तरीका : आयकर विभाग ने करदाताओं को आइटीआर वेरीफाई करने के 6 विकल्प दिए हैं. जिनके माध्यम से टैक्सपेयर्स समय से पहले यह काम कर आयकर के नोटिस या लीगल एक्शन से बच सकते हैं.

करदाता आयकर विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट https://www.incometax.gov.in/iec/foportal/ पर जाकर ई-वेरीफाई विकल्प पर क्लिक करेंइसके बाद रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मिलने वाले ओटीपी के जरिए ई-वेरीफिकेशन कर सकते हैं.करदाता बैंक अकाउंट जेनरेटेड ईवीसी के माध्यम से भी आइटीआर वेरीफिकेशन कर सकते हैं.डीमैट अकाउंट की सहायता से ईवीसी के जरिए भी ई-वेरीफिकेशन की प्रक्रिया को पूरा किया जा सकता है.एटीएम से ईवीसी के जरिए भी करदाता वेरीफिकेशन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं.टैक्सपेयर्स नेटबैंकिंग की मदद से भी आइटीआर को वेरीफाई कर सकते हैं.डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट के जरिए भी आईटीआर का ई-वेरीफिकेशन किया जा सकता है.

ऐसे चुनें ई-वेरीफाई का विकल्प

बिलेटेड, रिवाइज आइटीआर या अपडेटेड आइटीआर को वेरीफाई करने के लिए करदाता ऑनलाइन तरीका अपना सकते हैं. इसके लिए वह आयकर विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट https://www.incometax.gov.in/iec/foportal/ पर जाकर ई-वेरीफाई विकल्प को चुनकर यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं.

सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए बढ़ गई छुट्टियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 18 जनवरी , अगर आप एक महिला हैं और केंद्र सरकार की नौकरी में हैं या फिर Central Government Job की तैयारी कर रही हैं, तो ये खबर खास आपके लिए है. हो सकता है आपको इसकी जानकारी हो. लेकिन अगर नहीं है तो इसे जरूर पढ़ लीजिए. आपके लिए गुड न्यूज है. भारत सरकार ने बीते दिनों आपके हित में कुछ बड़े फैसले लिए हैं. ये आपकी छुट्टियों के बारे में हैं.सरकारी नौकरी में महिलाओं के लिए छुट्टियां बढ़ाई गई हैं. इसके लिए कुछ नियमों में बदलाव किए गए हैं तो कुछ नए नियम जोड़े गए हैं.

नई छुट्टियों की पूरी लिस्ट आगे दी गई है. केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह नेइस बारे में जानकारी दी है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अपनी नौकरियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए ठोस कोशिश की है. उन्हें प्रोफेशनल और पारिवारिक जीवन में संतुलन देने की कोशिश की गई है. कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) उन्हें लागू कर रहा है.

सरकारी नौकरी में महिलाओं के लिए छुट्टी : यहां उन विशेष अवकाशों के बारे में बताया जा रहा है जिनके लिए नए नियम बनाए गए हैं. पहले से चली आ रहीं छुट्टियों (जैसे- 6 महीने की मैटरनिटी लीव, आदि) का जिक्र यहां नहीं है.

स्पेशन मैटरनिटी लीव:

केंद्रीय कार्मिक राज्यमंत्री Jitendra Singh ने कहा कि सरकार ने उन केंद्रीय महिला कर्मियों को 60 दिन का Special Maternity Leave देने का फैसला किया है जिनके बच्चे की जन्म के बाद मौत हो जाती है या गर्भपात हो जाता है. यह कदम उन्हें होने वाले संभावित मानसिक तनाव के मद्देनजर उठाया गया है.

चाइल्ड केयर लीव:

सिंह ने कहा कि बच्चे के पालन पोषण के लिए 730 दिनों की सीसीएल लीव (CCL Leave) जारी रखने के साथ कुछ नए कदम भी उठाए गए हैं. इनमें Child Care Leave के दौरान महिला कर्मी को रियायती यात्रा की अनुमति शामिल है. कर्मचारी उचित प्राधिकार की पूर्वानुमति लेकर विदेश यात्रा पर भी जा सकती हैं.

यौन उत्पीड़न के मामले में छुट्टी:

अगर Sexual Harassment के मामले की जांच चल रही है, तो इस दौरान विशेष अवकाश का प्रावधान किया गया है. पीड़ित सरकारी महिला कर्मी 90 दिनों तक की छुट्टी ले सकती है. यह छुट्टी जांच लंबित रहने के दौरान दी जाएगी और यह अन्य छुट्टियों से नहीं काटी जाएगी.इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले साल एक जुलाई से दिव्यांग महिला कर्मियों को 3000 रुपये प्रति महीने की दर से विशेष भत्ता बच्चों की देखरेख के लिए दिया जा रहा है.

भारत होगा सबसे अधिक आबादी वाला देश !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चीन में छह दशकों बाद आबादी में गिरावट दर्ज की गई है. न्यूज़ एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा है कि 2022 के अंत में चीन की आबादी लगभग 850,000 घटकर 141 करोड़ से ज्यादा हो गई है. 1961 के बाद से पहली बार दर्ज की गई इस गिरावट के बाद आशंका जताई जा रही है कि भारत (India) इस वर्ष दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा.

लगातार घट रही जनसंख्या और पूर्व में बनाई गई वन चाइल्ड पॉलिसी (One Child Policy) के कारण चीन में 2050 तक जनसंख्या में 10 करोड़ से ज्यादा की कमी देखने को मिल सकती है. घटती जनसंख्या से चीन को डर है कि इससे बड़ी आबादी की कार्यक्षमता (workforce) में बहुत कमी देखने को मिलेगी, जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है. आपको बता दें कि पिछले साल चीन की जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर सिर्फ 6.77 जन्म थी, जो 2021 की जन्म दर 7.52 फीसदी से कम है और ये रिकॉर्ड स्तर पर सबसे कम है.

मृत्यु दर रिकॉर्ड स्तर पर

जन्म दर के मुकाबले मृत्यु दर 1974 के बाद से 1,000 लोगों पर 7.37 मौत दर्ज की गई है, जो कि 2021 में 7.18 मौतों की दर की तुलना में भी अधिक है. रिपोर्ट्स के मुताबिक जनसंख्या में दर्ज की जा रही रिकॉर्ड गिरावट चीन की 1980 और 2015 के बीच लागू की गई एक-बच्चे की नीति के साथ-साथ उच्च शिक्षा लागतों का परिणाम है, जिसने कई चीनी लोगों को एक से अधिक बच्चे पैदा करने या यहां तक कि एक भी बच्चा पैदा करने से रोक दिया है.

न्यूज़ रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को आंकड़े जारी होने के बाद चीनी सोशल मीडिया पर डेटा टॉप ट्रेंडिंग टॉपिक था. एक हैशटैग "#क्या वास्तव में संतान होना महत्वपूर्ण है?" पर करोड़ों हिट्स थे.

गृहमंत्री अमित शाह से मुख्यमंत्री धामी ने की वार्ता, जोशीमठ मुद्दे पर दी अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 18 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को जोशीमठ क्षेत्र में हो रहे भू-धंसाव से उत्पन्न स्थिति की विस्तृत जानकारी दी, तथा आपदा राहत हेतु केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को अवगत कराया कि जोशीमठ शहर जनपद चमोली का तहसील मुख्यालय, श्री बद्रीनाथ जी का शीतकालीन निवास स्थान है, तथा सामरिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि २ जनवरी की रात से भवनों में मोटी दरारें दृष्टिगोचर हुई तथा जे0पी0 प्लान्ट के नीचे 500 एल0पी0एम0 की नई धारा फूटने की शिकायत प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा कि अभी तक क्षेत्र का 25 प्रतिशत भू-भाग, भू-धंसाव से प्रभावित है जिसकी अनुमानित जनसंख्या लगभग 25000 है, पालिका क्षेत्र में दर्ज भवन लगभग 4500 है, उस में से 849 भवनों में चौड़ी दरारें परिलक्षित हो चुकी है, अस्थायी रूप से विस्थापित परिवार 250 हैं, सर्वे गतिमान है एवं उक्त प्रभावित परिवार तथा भवन निरन्तर बढ़ रहे हैं। जबकि पुनर्वास हेतु पांच स्थल चिन्हित किये गये है, जिनका भू-गर्भीय परीक्षण किया जा रहा है। जोशीमठ के कुल 09 वार्ड में से 4 वार्ड पूर्णरूपेण प्रभावित हैं जबकि 08 केन्द्रीय तकनीकी संस्थान प्रभावित क्षेत्र में वैज्ञानिक परीक्षण कर रहे है।उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया कि 16 से 22 अगस्त 2022 के मध्य MULTI DISCIPLINARY COMMITTEE (USDMA, GSI, IIT, Roorkee, CBRI, Roorkee, WIHG) ने क्षेत्र का स्थलीय सर्वेक्षण किया था एवं भू-धंसाव के कारण एवं उपाय इंगित किये गये थे साथ ही सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा 5 से 7 जनवरी के मध्य MULTI DISCIPLINARY COMMITTEE (USDMA, GSI, IIT, Roorkee, CBRI, Roorkee, WIHG) के माध्यम से स्थलीय निरीक्षण किया था एवं कतिपय Concrete recommendation किये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 जनवरी 2023 पी0एम0ओ0, भारत सरकार के द्वारा कैबिनेट सचिव, NDMA तथा USDMA के अन्य केन्द्रीय विभागों के साथ एक समीक्षा बैठक आहूत की गई। तथा 09 जनवरी 2023 को MHA, GOI की High Powered Team एवं NDMA के समस्त सदस्यों द्वारा देहरादून में वस्तुस्थिति की समीक्षा एवं जोशीमठ प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी तथा गढ़वाल आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जोशीमठ क्षेत्र में कैम्प किया जा रहा हैमुख्यमंत्री ने बताया कि विभिन्न केंद्रीय तकनीकी संस्थानों से विचार विमर्श के बाद क्षेत्र में वृहद् पुनर्निर्माण की आवश्यकता बताई गयी है।

जिसका FINAL ESTIMATION तकनीकी परीक्षण समाप्त होने के उपरान्त प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों के लिये तात्कालिक राहत शिविरों की व्यवस्था, Prefabricated Transit Shelter, स्थायी पुनर्वास, नवीन स्थल विकास, आवास निर्माण, मूलभूत सुविधायें यथाः स्कूल, कालेज, drainage, sewerage आदि, जोशीमठ का पुर्ननिर्माण, विस्तृत तकनीकी जांच, भू-स्खलन की रोकथाम, सम्पूर्ण जल निकासी व्यवस्था, शहर में सीवर लाईन की व्यवस्था, समस्त घरों का सीवर लाईन से जुड़ाव आदि मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिये मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री से केंद्रीय सहायता के लिये अनुरोध किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने जोशीमठ के भू-धंसाव क्षेत्र के प्रभावितों की आवश्यक मदद का आश्वासन मुख्यमंत्री को दिया।

दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला जीना लोलोब्रिजिडा का निधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

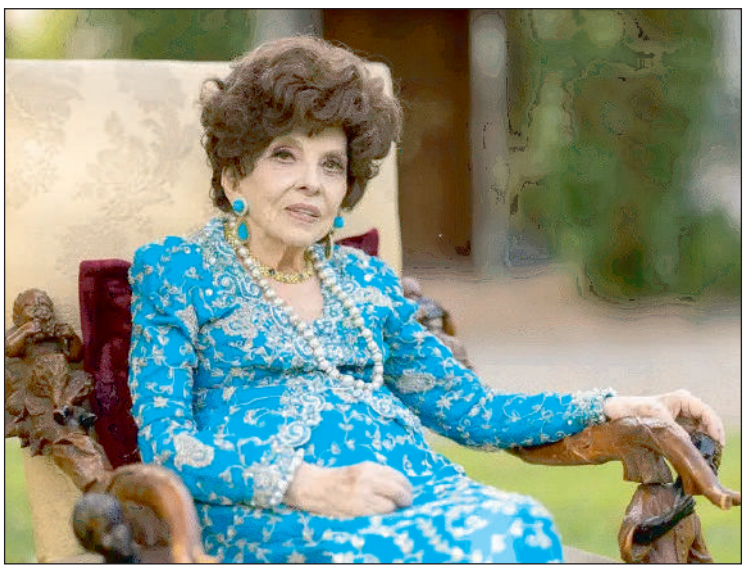

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , फेमस इटैलियन एक्ट्रेस जीना लोलोब्रिजिडा अब इस दुनिया में नहीं रही हैं। एक्ट्रेस ने 16 जनवरी को एक निजी अस्पताल में आखिरी सांस ली। हालांकि मौत किन कारणों से हुई, इसकी वजह साफ नहीं हो पाई है। अपने आखिरी समय में भी एक्ट्रेस अपने बेटे से शोहरत को लेकर कानूनी जंग लड़ रही थी। खबर सामने आने के बाद हॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ पड़ी है और हर कोई अपने अंदाज में एक्ट्रेस को श्रद्धांजलि दे रहा है। फैंस सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की पुरानी फोटोज को शेयर कर रहे हैं।

फर्नीचर वाले की बेटी थी जीना

बताया जाता है कि जीना इतनी ज्यादा खूबसूरत थी कि बड़े-बड़े प्रिंस और राजनेता उन पर मर-मिटने को तैयार रहते थे लेकिन उन्होंने कभी किसी को भी घास नहीं डाली। लीना एक एक्ट्रेस के साथ-साथ एक जर्नलिस्ट और राजनेता भी थी। एक्ट्रेस का जन्म 1927 में हुआ था और उनके पिता फर्नीचर बनाने का काम करते थे। हालांकि फिर भी लोलो ने अपने बलबूते पर हॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। एक्ट्रेस हॉलीवुड सिनेमा की गोल्डन एज का भी हिस्सा रहीं थी। खास बात ये है कि उन्हीं के नाम पर करिश्मा कपूर का नाम लोलो रखा गया था। जीना के करियर की शुरुआत 1946 से हुई थी और उनकी पहली फिल्म का ना द ब्लैक ईगल' था। इसके बाद एक्ट्रेस ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अपने बेटे से लड़ रही थी कानूनी लड़ाई

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जीना के पास अथाह संपत्ति थी जिसे उन्होंने अपनी मेहनत से कमाया। आखिरी समय में उनकी संपत्ति को लेकर ही बेटे से विवाद रहा और दोनों ने कानूनी लड़ाई लड़ी। खुद जीना ने इस बात का खुलासा इंटरव्यू में किया था कि जिन प्रोजेक्ट्स को लेकर काम नहीं करना चाहती थी, उनसे बचने के लिए बहुत ज्यादा पैसों की डिमांड करती थी जिससे डील कैंसिल हो जाए, लेकिन कभी ऐसा हो नहीं पाया क्योंकि लोग उनकी मुंह मांगी कीमत देने को तैयार रहते थे। इसलिए वो किसी प्रोजेक्ट को मना नहीं कर पाई।

राज्य आंदोलनकारी शहीद रविन्द्र रावत 'पोलू' की माता श्रीमती मंगला रावत का निधन

रिपोर्टः एम. फ़हीम 'तन्हा'
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड राज्य आंदोलन में शहीद हुए रविन्द्र रावत 'पोलू' की माता श्रीमती मंगला रावत जी का आज सुबह देहरादून में देहांत हो गया है। उनका श्रीमहंत इंद्रेश अस्पताल में कुछ दिनों से इलाज चल रहा था। उनका ऋषिकेश के घाट में अंतिम संस्कार किया गया है। स्वर्गीय श्रीमती मंगला रावत (70वर्षीय) अपने नेहरू कॉलोनी आवास में अकेली रहती थीं। 02 अक्टूबर 1994 को मुजफ्फरनगर कांड में गोली लगने से रविन्द्र रावत 'पोलू' शहीद हो गए थे। वे 2 बहनों के इकलौते भाई थे। शहीद 'पोलू' की माता के निधन पर राज्य आंदोलनकारियों में भी शोक की लहर है। राज्य आंदोलनकारी मंच ने गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं, और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।श्रीमती मंगला रावत के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अपने परिवार संग पहुंचकर मंगला रावत को श्रद्धासुमन अर्पित किए और परिजनों को ढांढस बंधाया, उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की। माता जी के पार्थिव शरीर को करीब 12 बजे उनके आवास से ऋषिकेश घाट के लिए ले जाया गया जहां पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके परिवार में अब 2 बेटियां हैं, वर्ष 2016 में शहीद रविन्द्र रावत पोलू के पिताजी का भी निधन हो गया था।शहीद पोलू के आवास पहुंचकर धर्मपुर विधायक विनोद चमोली , पार्षद अमित भंडारी 'दीपू', पार्षद विनोद नेगी, आंदोलनकारी प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती, मंच के अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी सहित केशव उनियाल, सुमन भंडारी, कमल गुसाईं, कुलदीप नेगी, रामलाल खंडूड़ी, मनीराम गोदियाल सहित आरपी रतूड़ी, त्रिलोक सिंह तोमर, मौ. फ़हीम 'तन्हा', अविनाश डंग, राजीव टोडी 'सन्नी', शिव कुमार तोमर, त्रिलोक सिंह सजवाण, अनूप रावत, प्रदीप रावत सहित बड़ी तादाद में कॉलोनी वासियों और अन्य गणमान्य लोगों ने पहुंचकर स्वर्गीय माताजी मंगला रावत को श्रद्धांजलि दी और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

2अक्टूबर 1994 को मुजफ्फरनगर कांड में शहीद हुए थे पोलू

मुस्लिम समाज के बारे में गलत बयानबाजी से बचें पार्टी नेता : प्रधानमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा अब केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन में बदल चुका है। भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे दिन मंगलवार को पीएम मोदी ने अपने संबोधन में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को सलाह दी कि वे मुस्लिम समाज के बारे में गलत बयानबाजी न करें। इसके साथ ही उन्होंने नेताओं से कहा कि वे कार्यकर्ताओं से संवाद बनाकर रखें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "पार्टी के सभी नेताओं को मुस्लिम समाज के पसमांदा और बोरा समाज से मिलना चाहिए। कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बनाकर रखना होगा। समाज के सभी वर्गों से मुलाकात करें, चाहे वे वोट दें या ना दें, लेकिन उनसे मुलाकात जरूर करें। भाषा मर्यादित रखें।"

प्रधानमंत्री ने कहा- भारत का सर्वोत्तम काल आ रहा है, मेहनत करें

बैठक के समापन पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा कि "पीएम मोदी ने नेताओं का आह्वान किया है कि वे मेहनत से पीछे न हटें। भारत का सर्वोत्तम काल आ रहा है। अलग-अलग जगह जाकर लोगों से मिलें। राष्ट्रवाद की अलख हर जगह जलनी चाहिए।" फडणवीस ने कहा कि आज का प्रधानमंत्री का उद्बोधन प्रेरक, दिशा तय करने वाला और नई राह दिखने वाला था। उन्होंने कहा, ''यह कोई राजनीतिक भाषण नहीं था। उनका भाषण एक स्टेट्समैन का भाषण था।''

कार्यकर्ताओं को दी जिम्मेदारी, बोले- अति आत्मविश्वास ठीक नहीं

पीएम मोदी ने अपने भाषण में राजस्थान और छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं से कहा कि अति आत्मविश्वास की वजह से हम वहां चुनाव हारे हैं। उन्होंने कहा कि यह सोचना कि "मोदी आएंगे, जीत जाएंगे" इससे काम नहीं चलेगा। उन्होंने सभी लोगों से संवेदनशील होने की जरूरत पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं को एक जिम्मेदारी भी दी। कहा- देश की सीमा के करीब गांव में संगठन को मजबूत करें। चुनाव में 400 दिन बचे हैं। पूरी मेहनत से लोगों को जोड़ने में जुट जाएं।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत के जीवन का ''सर्वोत्तम समय'' आने वाला है, इसलिए ऐसे समय में देश के विकास में योगदान देने के लिए सभी को कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से यह आह्वान भी किया कि वे ''अमृत काल'' को ''कर्तव्य काल'' में परवर्तित करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दें, तभी देश को तेजी से आगे ले जाया जा सकता है।

हीरा कारोबारी की 8 साल की बेटी बनी संन्यासिनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , गुजरात में सूरत के एक हीरा कारोबारी की 8 साल की बेटी ने आलीशान जिंदगी त्याग कर संन्यास धारण करने का फैसला लिया है. खेलने-कूदने और नाचने की उम्र में ही डायमंड कारोबारी धनेश की उत्तराधिकारी बेटी बुधवार को जैन धर्म ग्रहण कर संन्यासिनी बन गई. इस बच्ची का नाम देवांशीं संघवी है, जो दो बहनों में बड़ी भी है. मंगलवार को जैन धर्म के दीक्षा कार्यक्रम में देवांशी ने दीक्षा ग्रहण की. खबर के मुताबिक, हीरा कारोबारी की बेटी देवांशी संघवी ने 367 दीक्षा इवेंट्स में भाग लिया और इसके बाद वह संन्यास धारण करने के प्रति प्रेरित हुई. एक फैमिली दोस्त ने कहा कि उसने आज तक न कभी टीवी देखी और न कभी मूवी. इतना ही नहीं, वह कभी किसी रेस्टोरेंट भी नहीं गई है. अगर देवांशी संन्यास का मार्ग नहीं चुनतीं तो बालिग होने पर करोड़ों की हीरा कंपनी की मालिकिन होतीं.

दरअसल, देवांशी राज्य की सबसे पुरानी हीरा बनाने वाली कंपनियों में से एक संघवी एंड संस के पितामह कहे जाने वाले मोहन संघवी के इकलौते बेटे धनेश संघवी की बेटी हैं. बता दें कि धनेश संघवी जिस हीरा कंपनी के मालिक हैं, उसकी दुनियाभर में शाखाएं हैं और साला टर्नओवर करीब सौ करोड़ का है. देवांशी की छोटी बहन का नाम काव्या है और उसकी उम्र पांच साल है. आचार्य विजय कीर्तियशसूरि ने देवांशी को दीक्षा दिलाई.

प्रधानमंत्री से संवाद के लिए उत्तराखण्ड से 2 बच्चों का हुआ सिलेक्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 जनवरी , शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा है कि 27 जनवरी 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली से छात्रों से 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम के माध्यम से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण 9 से 12वीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थी, शिक्षक एवं विद्यार्थियों के अभिभावक देख सकें। इसके लिए सभी विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कार्यक्रम में राजकीय, राजकीय सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों के छात्र भी जुड़ेगे। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री से संवाद के लिए उत्तराखण्ड से02 बच्चों का नामांकन हुआ है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री भी जुड़ेंगें। मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, राज्य के पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ता, शिक्षा, कला एवं संस्कृति से जुड़े महानुभाव एवं नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के जनप्रतिनिधि भी राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से इस कार्यक्रम में जुड़ेंगे। राज्य के 65464 शासकीय, अशासकीय एवं निजी विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित होगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य में 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत दिनांक 18 से 23 जनवरी 2023 तक परीक्षा में चर्चा के थीम से सम्बन्धित कला / पेंटिंग प्रतियोगिता राज्य के 95 विकासखण्ड एवं 8 नगर निगमों में स्थित विद्यालयों में आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वालों को पुरस्कार दिये जायेंगे। 25 प्रतिभागियों को पारितोषिक एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे। इस कार्यक्रम में छात्रों के लिए जो थीम रखी गई है उनमें अपने स्वतंत्रता सैनानियों को जाने। हमारी संस्कृति ही शान है। मेरी किताब मेरी प्रेरणा।

भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण सुरक्षा। मेरा जीवन मेरा स्वास्थ्य। मेरा स्टार्टअप सपना। सीमाओं के बिना शिक्षा। विद्यालयों में सीखने के लिए खिलौने और खेल है। शिक्षकों के लिए जो थीम रखी गई है उनमें हमारी विरासत। सीखने के लिए समर्थ वातावरण। कौशल के लिए शिक्षा। पाठ्यक्रम का कम भार और परीक्षा के लिए कोई भय नहीं। भविष्य में शिक्षा की चुनौतियाँ शामिल हैं। अभिभावकों के लिए थीम मेरा बच्चा मेरा शिक्षक । प्रौढ शिक्षा :सभी को साक्षर बनायें। सीखना और एक साथ बढ़ना है। इस वर्ष इस कार्यक्रम में 81315 शिक्षक, छात्र एवं अभिभावकों की थीम प्राप्त हुई हैं। इस अवसर पर सचिव शिक्षा रविनाथ रमन एवं शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

संपादकीय

दावोस बैठक और भारत

विश्व आर्थिक फोरम के अहम सालाना सम्मेलन में भारत की ओर से चार केंद्रीय मंत्रियों और तीन मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है. इनमें रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, ऊर्जा मंत्री आरके सिंह, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस बोम्मई शामिल हैं. केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी दावोस पहुंच चुकी हैं. पांच दिन के इस सम्मेलन का थीम 'विभाजित विश्व में सहयोग' रखा है तथा कई देशों के राजनेता, उद्यमी और विशेषज्ञ इस विषय से संबंधित विचार विमर्श करेंगे. दावोस में 130 देशों के 52 राष्ट्राध्यक्ष एवं शासनाध्यक्ष समेत 27 सौ नेताओं के आने की खबर है. उल्लेखनीय है कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 समूह का थीम 'वसुधैव कुटुंबकमः एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' रखा गया है. स्मृति ईरानी ने कहा है कि वे सम्मेलन में सरकारी प्रतिनिधियों, उद्यमियों, उद्योगपतियों तथा सिविल सोसायटी के लोगों से मिलेंगी. इस सम्मेलन में भारत अपनी आर्थिक प्रगति, आत्मनिर्भर भारत अभियान, कोरोना महामारी को नियंत्रित करने में मिली सफलता तथा विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाने से संबंधित अनुभवों और संभावनाओं को दुनिया के सामने पेश करेगा. इस वर्ष भारत जी-20 का अध्यक्ष है और इसी साल शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा. वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद को देखते हुए यह सम्मेलन एक अहम मौका है. मुख्यमंत्रियों के अलावा अनेक राज्यों के मंत्री भी अपने राज्य के विकास और निवेश की संभावनाओं की जानकारी देंगे. पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध और खाद्य व ऊर्जा का बढ़ता संकट तथा वैश्विक मंदी की आशंका इस सम्मेलन के प्रमुख विषय होंगे. स्वाभाविक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन विषयों पर भारत से प्रभावी हस्तक्षेप की आशा करते हैं. भारत ने भी अपनी सकारात्मक और स्पष्ट राय रखी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों ने अनेक बार संपर्क किया है. विश्व के अन्य नेता भी मानते हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में प्रधानमंत्री मोदी निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं. भारत ने भी संकेत दिया है कि वह ऐसी भूमिका के लिए तैयार है, बशर्ते कोई ठोस प्रस्ताव सामने रखा जाए. विभाजित विश्व में अगर सहयोग बढ़ाने के लिए दावोस या कोई मंच आकांक्षी है, तो उसके समक्ष भारत से बेहतर आदर्श और उदाहरण नहीं हो सकता है.

चमोली एसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने मासिक अपराध बैठक में दिए अहम निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 18 जनवरी , पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा पुलिस लाइन गोपेश्वर सभागार में पुलिस के राजपत्रित अधिकारियों, समस्त थानाध्यक्षों व शाखा प्रभारियों के साथ अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। उन्होंने गोष्ठी में उपस्थित सभी कर्मचारियों का सम्मेलन लेकर उनकी समस्याएं सुनी गईं एवं तत्काल निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया, साथ ही विगत माह में अच्छे कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। तदुपरान्त महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये-

1. सभी थाना/शाखा प्रभारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के अवकाश समय से स्वीकृत किए जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया।

2.प्रत्येक थाने में 01 महिला उपनिरीक्षक एवं 04 आरक्षी नियुक्त किये जाने हेतु वाचक शाखा को निर्देशित किया गया।

3. जनपद में नये थाना/ चौकियों के सृजन के सम्बन्ध में समन्धित थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु दिशा-निर्देश दिए गये।

4. समस्त थानों में पुलिस क्षेत्र व राजस्व क्षेत्रों से स्थानान्तरित हुई लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए सभी थाना प्रभारी/विवेचकों को शीघ्र निस्तारण करने, वाँछित/ ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत की जा रही कार्यवाही के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए जाने हेतु दिशा-निर्देश दिए।

5. जनपद में यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत चालानी कार्यवाही में तेज करने, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम/ ओवरलोडिंग/ नाबालिक द्वारा गाड़ी ना चलाने हेतु सघन चैकिंग अभियान चलाने, ई-चालान करने पर जोर देने, एल्कोमीटरों के सुचारु रुप से प्रयोग करने, यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन कराने हेतु यातायात निरीक्षक व थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

6. अवैध नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने, अवैध नशों के अड्डों को चिन्हित करने व नशे के कारोबारियों पर अधिक से अधिक निरोधात्मक कार्यवाही की जाए। साथ ही नशे की गिरफ्त में आये युवाओं व व्यक्तियों का थानेवार विवरण तैयार कर समय-समय पर उनकी काउंसिलिंग करने व थानों में ऐसे व्यक्तियों का विवरण रखने हेतु सभी थानाध्यक्षों को दिशा-निर्देश दिए।

7. जनपद में लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

8 . माननीय न्यायालयों से प्राप्त सम्मन/वारंट/नोटिस का ससमय निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

9. सीसीटीएनएस को प्रत्येक दिन लॉग इन करने, डायल 112 व महिला हेल्पलाइन के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी थानों को प्राप्त होने वाली शिकायतों का शीघ्र निस्तारण हेतु करने हेतु निर्देशित किया गया।

10. एन0डी0पी0एस0 एक्ट की कार्यवाही में बढोतरी करने, लम्बित माल का समय से निस्तारण करने के आदेश दिए गए।

11. समन तामीली में अदम तामीली के स्थान पर तामीली कराना सुनिश्चित करें।

12. हाइवे पैट्रोल एवं हिल पैट्रोल से अनावश्यक कार्य ना लिया जाए, साथ ही शिकायतों के शीघ्र निस्तारण किया जाए। 13. सभी थाना/चौकी प्रभारियों को उत्तराखण्ड पुलिस एप का अधिक से अधिक प्रचार-प्रचार करने एवं गौरा शक्ति एप में अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया।

पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा ने दिया बर्खास्त कर्मियों को समर्थन

देहरादून, 18 जनवरी। विधानसभा से बर्खास्त कार्मिकों के 31वें दिन जारी धरने के दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा ने अपना समर्थन देते हुए कहा की उत्तराखंड राज्य गठन पर तत्कालीन स्पीकर स्व प्रकाश पंत द्वारा जिस प्रक्रिया के तहत नियुक्तिया विधानसभा में की गई, उसी प्रकार से स्पीकर रहे यशपाल आर्य व हरबंश कपूर ने भी नियुक्तियां की, तो केवल कार्यवाही 2016 के बाद ही क्यों की गई। प्रदीप टम्टा ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को इसमें सर्वदलीय बैठक बुलाकर बीच का रास्ता निकालना चाहिए और भविष्य के लिए नीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि 7 वर्ष की सेवा के उपरांत किसी को रोड पर लाना कहां का न्याय है। लोकतांत्रिक व न्यायिक दृष्टि से बर्खास्त कार्मिकों को न्याय मिलना ही चाहिए। इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, संदीप कुमार पटवाल सहित बर्खास्त कार्मिक मौजूद रहे।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी
कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित।
फ़ोन : 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406
E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com
YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

क्या है कहानी : 26 जनवरी पर 21 तोपों की सलामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , 26 जनवरी का दिन भारत के इतिहास में खास है। इस खास दिन राजपथ(अब कर्तव्य पथ) देश की आन बान शान की गवाह पूरी दुनिया बनती है। सशस्त्र सेनाओं का शौर्य और भारत की सांस्कृतिक झलक एक पथ पर एक दूसरे के पीछे कतार में देश की कामयाबी के सफर की कहानी कहती है। इस खास दिन 21 तोपों से सलामी दी जाती है। अब सवाल यह है कि क्या सलामी देने में 21 तोपों का इस्तेमाल किया जाता है या बात कुछ और है। यहां पर हम 21 तोपों की सलामी के पीछे के राज को बताएंगे।

सात तोप से दागे जाते हैं 21 गोले

दरअसल गणतंत्र दिवस परेड पर 21 तोपों की जगह आठ तोपों का इस्तेमाल किया जाता है। उन आठ तोपों में भी सात तोप का इस्तेमाल होता है, शेष एक तोप को इमरजेंसी के लिए रखा जाता है। हर एक तोप से तीन गोले दागे जाते हैं। इस तरह से कुल सात तोपों से 21 गोले दागे जाते हैं। हर एक गोले को दागने में करीब 2.25 सेकेंड लगता है। जैसा कि हम जानते हैं कि राष्ट्रगान को पूरा करने में कुल 52 सेकेंड लगते हैं। लिहाजा उसी हिसाब से गोलों को दागने की समय सीमा भी है। ताकि राष्ट्रगान के शुरू होने से लेकर समाप्त होने तक कुल 52 सेकेंड में सभी 21 गोलों को दागा जा सके।

गोले असली होते हैं नकली

अब 21 तोपों की सलामी से राज उठने के बाद उत्सुकता होगी कि जो गोले दागे जाते हैं वो असली या नकली होते हैं। इस सवाल का जवाब यह है गणतंत्र दिवस के दिन दागे जाने वाले गोलों को सेरोमिनियल कॉर्टेज का नाम दिया गया है। ये गोले अंदर से खाली होते हैं। जब इन्हें दागा जाता है कि इसमें से सिर्फ धुआं निकलने के साथ आवाज आती है।

तोपों से सलामी का इतिहास

26 जनवरी 1950 से इस परंपरा का आगाज हुआ। राष्ट्रगान के साथ ही 21 तोपों की सलामी दी गई। गोलों को दागने के समय खास घड़ी का इस्तेमाल हुआ था ताकि 52 सेकेंड की समय सीमा में ही पूरी प्रक्रिया को संपन्न किया जा सके। अंग्रेजो के समय में भी सलामी देने की परंपरा थी। हालांकि यह सम्मान ब्रिटिश क्राउन को था जिसे शाही सलामी का नाम दिया गया था। बाद में ब्रिटिश क्राउन के अलावा महारानी और शाही परिवार के सदस्यों को भी 31 तोपों की सलामी दी जाने लगी। यह परंपरा बाद के समय में वायसरॉय के लिए इस्तेमाल में लाई जाने लगी। इस परंपरा में बदलाव करते हुए ब्रिटिश सरकार ने फैसला किया कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत 21 तोपों से सलामी दी जानी चाहिए।

स्मार्टफोन चलाने से उंगलियों हो सकती है बीमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , चीन के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन के उपभोक्ताओं वाला देश है। 2021 में भारत में सबसे ज्यादा 16.9 करोड़ स्मार्टफोन की बिक्री हुई है। वहीं, भारत में स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या 439 मिलियन है और ये संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में स्मार्टफोन से होने वाली दिक्कतों के कई मामले भी सामने आ रहे हैं। इसमें से सबसे ज्यादा आम हो रही प्रॉब्लम है 'स्मार्टफोन फिंगर' जिसे पहले ब्लैकबेरी थंब के नाम से भी जाना जाता था। ये प्रॉब्लम स्मार्टफोन के ज़्यादा इस्तेमाल से होती है। इसका आर्थराइटिस या किसी और बीमारी से लेना देना नहीं है।

यदि आप भी दिन के अधिकतर घंटे फोन में मैसेज टाइप करने, न्यूज फीड को स्क्रॉल करने या गेम खेलने में बिताते हैं तो आप भी 'स्मार्टफोन फिंगर' की प्रॉब्लम का शिकार हो सकते हैं। लेकिन इस बात का पता लगाने के लिए इसके लक्षणों को जानना बेहद जरूरी है। 'स्मार्टफ़ोन फिंगर' एक ऐसी प्रॉब्लम है जिसमें इंसान को उंगलियों या अंगूठे में दर्द शुरू हो जाता है। दर्द इसलिए नहीं होता क्योंकि कहीं जोड़ों में दिक्कत है। बल्कि ये दर्द स्मार्टफ़ोन के ज़्यादा इस्तेमाल, बार-बार स्वाइप करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने की वजह से होता है। इसमें मांसपेशियों में सूजन या अकड़न आ जाती है। 1-2 उंगलियों में दर्द बना रहता है। जिससे दिनचर्या पर असर पड़ता है। आज हम इससे संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारियों को आपके साथ साक्षा कर रहें हैं।

स्मार्टफोन फिंगर के लक्षण

उंगली में सूजनउंगली में अकड़नदर्द होनाउंगली का अटकना या उंगली का झटके से खुलना या बंद होनाये दिक्कत अक्सर 1 या 2 ही उंगलियों में ही होती है

स्मार्टफ़ोन फिंगर से निपटने के घरेलू उपाय

स्मार्टफ़ोन का इस्तेमाल या टाइपिंग केवल 1-2 उंगलियों से न करें3-4 उंगलियों का इस्तेमाल करने की कोशिश करें1 ही उंगली से स्वाइप न करेंउंगलियां बदलते रहें ताकि किसी एक ही उंगली पर ज़्यादा प्रेशर न पड़ेअगर डायबिटीज या थायरॉइड की प्रॉब्लम है तो उसे कंट्रोल में रखेंअगर दर्द से परेशान हैं तो बर्फ़ से सिकाई करेंकुछ दिनों के लिए फ़ोन का इस्तेमाल कम कर दें

इलाज

फ़ोन पर काम करने से बच नहीं सकते। लेकिन सावधानी रखते हुए और बाकी उंगलियों का इस्तेमाल करते हुए इस बीमारी से बचा जा सकता है। जिन लोगों में ये परेशानी सिंपल ट्रीटमेंट जैसे सिकाई और बाकी उंगलियों के इस्तेमाल से नहीं जाती। उनमें मेडिकल ट्रीटमेंट लेना पड़ता है। जिसमें सूजन कम करने की दवाइयां दी जाती हैं। जिस मांसपेशी में सूजन है, उसमें इंजेक्शन भी लगाया जाता है। इस इलाज का इस्तेमाल 100 में से 20 लोगों में ही होता है। वहीं,80 प्रतिशत लोगों में ये बीमारी बर्फ़ की सिकाई करने से ठीक हो जाती है।

पार्किंग की संभावनाओं के दृष्टिगत आख्या प्रस्तुत करें अधिकारी : सोनिका, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 जनवरी। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में टनल/केविटी पार्किंग निर्माण के संबंध में ऋषिपर्णा सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं टीएचडीसी, एनएच, यूजेवीएनएल, आरवीएनएल, एनएचएआई, टीएचआईडीसीएल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माणधीन कार्यों के दौरान डंपिंग जोन हेतु चिन्हित किए गए स्थानों पर मक डंपिंग के बाद पार्किंग आदि बनाये जाने की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए आख्या दें। उन्होंने उप जिलाधिकारी विकासनगर उपजिलाधिकारी डोईवाला को अपने-अपने क्षेत्रों में पार्किंग की संभावनाओं के संबंध में परिवहन विभाग पुलिस एनएच, लोनिवि, के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण करते हुए पार्किंग की संभावनाओं के दृष्टिगत आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने एनएच परियोजनाओं हेतु भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा वितरण के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अवगत कराया गया कि बल्लपुर से पांवटा सड़क निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष 186 करोड़ का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने मुआवजा वितरण कार्यों में तेजी लाने के साथ ही रोस्टरवार आपत्तियों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। जानकारी देते हुए बताया गया कि भूमि अधिग्रहण का अधिकतर कार्य पूर्ण हो चुका है जिस पर जिलाधिकारी ने शेष अधिग्रहण कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुए नियमानुसार मुआवजा वितरण करते रहने के निर्देश दिए। साथ ही उप जिलाधिकारी विकासनगर को निर्देशित किया कि निस्तारित प्रकरणों को शीघ्र विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी को प्रेषित करना सुनिश्चित करें, जिससे मुआवजा वितरण कार्यवाही में तेजी लाई जा सके।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी के.एस नेगी, आरवीएनएल से सुमित जैन सहित एनएचएआई, एनएच के अधिकारी उपस्थित रहे तथा उपजिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार, डोईवाला युक्ता मिश्रा सहित यूजेवीएनएल से मनोज केसरवानी, हेमन्त कुमार श्रीवास्तव, टीएचडीसी से नीरज अग्रवाल आदि संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।